छायावादोत्तर काव्य						
Core Course						
Course Code	Course Title	L	T	P	CH	CR
MHND1C006T	छायावादोत्तर काव्य	3	1	0	4	4

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेंगे।
- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता के सौंदर्यशास्त्रीय मूल्यों से परिचित हो सकेंगे।
- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख रचनाकारों से परिचित हो सकेंगे।
- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता के कथ्य-शिल्प का बोध होगा।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई. 1

दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल का काव्य-सौंदर्य।

इकाई. 2

उर्वशी: दिनकर (तीसरा अंक)

इकाई. 3

आँगन के पार द्वार: अज्ञेय (असाध्य वीणा)

इकाई. 4

चाँद का मुँह टेढ़ा है: मुक्तिबोध (अंधेरे में)

इकाई. 5

संसद से सड़क तक: धूमिल (पटकथा)

प्रो. भारत भूषण / Prof. Bharat Bhushan
आचार्य / Professor
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
Department of Hindi & Other Indian Languages
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Jammu

Scanned with OKEN Scanner

अनुशंसित ग्रंथ:

1. मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना: नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या: रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली
4. समकालीन हिंदी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली
5. समकालीन कविता का यथार्थ: परमांनद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
6. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ: रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. अज्ञेय और नई कविता : चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
8. दिनकर : विजेन्द्रनारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
9. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. धूमिल और परवर्ती जनवादी कविता : श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वार प्रकाशन ,अहमदाबाद

प्रो. भारत भूषण / Prof. Bharat Bhushan
आचार्य / Professor
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
Department of Hindi & Other Indian Languages
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Jammu

Scanned with OKEN Scanner